प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
विशाल काम्प्लेक्स, 19–ए विधान सभा मार्ग,
लखनऊ, उ0प्र0।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी
जनपद–चित्रकूट

पत्रांक–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./18–19/एस.एस.भ्रमण–बांदा मण्डल/15177 दिनांक/13 सितम्बर, 2019

विषय–सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा चिन्हित गैप्स/समस्याओं के निराकरण के सम्बन्ध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा **दिनांक 30 अप्रैल–02 मई, 2019 को जनपद–चित्रकूट** में आपके जनपद में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किए जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया था।

भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयो पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु सुझाव सम्बन्धित इकाईयों के प्रभारियों तथा जनपदीय टीम को दिए गए विवरण संलग्न है। कृपया भ्रमण दल द्वारा इंगित कमियों को एवं दिए गए सुझाावों के सम्बन्ध में कृत कार्यवाही से शीघ्र ही अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराएं।

संलग्नक–भ्रमण आख्या

भवदीया,

(थमीम अंसरिया ए),
अपर मिशन निदेशक
तद्दिनांक

पत्रांक–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./18–19/एस.एस.भ्रमण–बांदा मण्डल
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. महानिदेशक परिवार कल्याण, महानिदेशालय, उ0प्र0।
2. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0।
3. जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, चित्रकूट।
4. समस्त महाप्रबन्धक/उप महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0।
5. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बांदा मण्डल।
6. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, बांदा मण्डल।
7. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, चित्रकूट।

(डा0 वेद प्रकाश),
म0नो0अधिकारी,
सहयोगात्मक पर्यवेक्षण
महाप्रबन्धक–आर0आई0

Scanned by CamScanner

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
विशाल काम्प्लेक्स, 19–ए विधान सभा मार्ग,
लखनऊ, उ0प्र0।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी
जनपद–चित्रकूट

पत्रांक–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./18–19/एस.एस.भ्रमण–बांदा मण्डल दिनांक: 13 **सितम्बर, 2019**

विषय–सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा चिन्हित गैप्स/समस्याओं के निराकरण के सम्बन्ध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा **दिनांक 30 अप्रैल–02 मई, 2019 को जनपद–चित्रकूट** में आपके जनपद में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किए जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया था।

भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयो पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु सुझाव सम्बन्धित इकाईयों के प्रभारियों तथा जनपदीय टीम को दिए गए विवरण संलग्न है। कृपया भ्रमण दल द्वारा इंगित कमियों को एवं दिए गए सुझाावों के सम्बन्ध में कृत कार्यवाही से शीघ्र ही अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराएं।

संलग्नक–भ्रमण आख्या

भवदीया,

(थमीम अंसरिया ए),
अपर मिशन निदेशक

पत्रांक–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./18–19/एस.एस.भ्रमण–बांदा मण्डल/5177-7 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. महानिदेशक परिवार कल्याण, महानिदेशालय, उ0प्र0।
2. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0।
3. जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, चित्रकूट।
4. समस्त महाप्रबन्धक/उप महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0।
5. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बांदा मण्डल।
6. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, बांदा मण्डल।
7. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, चित्रकूट।

(डा0 वेद प्रकाश),
म0नो0अधिकारी,
सहयोगात्मक पर्यवेक्षण
महाप्रबन्धक–आर0आई0

Scanned by CamScanner

भ्रमण आख्या जनपद– चित्रकूट,बांदा
दिनांक 30,अप्रैल–02,मई,2019

भ्रमण दल के सदस्य –

- डा0 वेद प्रकाश – महाप्रबन्धक, आर0आई0
  (मण्डलीय नोडल, अधिकारी सहयोगात्मक पर्यवेक्षण)
- डा0 अर्पित श्रीवास्तव – परार्मशदाता, आर0आई0
- श्री सत्यप्रकाश –कार्यक्रम समन्वयक, आर0आई0

मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उ0प्र0 के पत्र संख्या SPMU/NHM/M&E/2018-19/04/10262-Dated-31-12-2018 के क्रम में प्राप्त निर्देशों के क्रम में दिनांक– 30 अप्रैल–02, मई, 2019 के मध्य जनपद–चित्रकूट की चिकित्सा इकाईयों– संयुक्त जिला चिकित्सालय, चित्रकूट, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–मानिकपुर, चित्रकूट सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–पहाड़ी, का भ्रमण किया गया एवं जनपद बांदा तथा चित्रकूट में जनपद स्तर पर जनपदस्तरीय एवं ब्लाक स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक की गयी।

जनपद–चित्रकूट

दिनांक 02.05.2019 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चित्रकूट कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें जनपद स्तरीय अधिकारियों, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, ब्लाक चिकित्साधिकारी, यूनिरोफ प्रतिनिधि, यू0एन0डी0पी0 प्रतिनिधि, पिरामल प्रतिनिधि द्वारा प्रतिभाग किया गया। सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के दौरान पायी गयी कमियों के विषय में विस्तृत रूप से चर्चा की गयी तथा सुधारात्मक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में चर्चा के मुख्य बिन्दु निम्नवत हैं–

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में बैठक– दिनांक 02.05.2019 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें चित्रकूट मण्डल के नोडल अधिकारी (महाप्रबन्धक, नियमित टीकाकरण) द्वारा राज्य स्तरीय टीम द्वारा भ्रमण के दौरान पायी गयी कमियां तथा पूर्व में माह जनवरी–2019 में किये गये भ्रमण के सापेक्ष किये गये सुधारात्मक कार्यवाही पर विस्तृत चर्चा की गयी। बैठक के बिन्दु निम्नवत है–

भ्रमण सारांश

(दिनांक 30 अप्रैल–02 मई, 2019 के भ्रमण के दौरान माह जनवरी, 2019 भ्रमण के अवलोकित बिन्दु के सापेक्ष तुलनात्मक संक्षिप्त विवरण)

जनवरी, 2019 में पायी गई कमियां	माह,अप्रैल–मई 2019 की स्थिति	सुधारात्मक कार्यवाही/निर्देश	कार्यवाही का स्तर
चिकित्सा ईकाईयों पर साफ सफाई–: टीम द्वारा माह जनवरी–19 में भ्रमण के दौरान साफ सफाई की व्यवस्था अच्छी नही पायी गयी थी। चिकित्सा ईकाईयों पर साफ सफाई के लिये मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा ब्लाक चिकित्सा प्रभारियों को साफ–सफाई के सुपरविजन हेतु किसी कार्मिक को दायित्व सौंपा जाना तथा स्वीपरों द्वारा सफाई का कार्य लिये जाने हेतु निर्देशित किया गया था।	2 माह के अन्तराल पर भी चिकित्सा ईकाईयों के साफ सफाई में कोई सुधार नही हुआ एवं साफ सफाई की स्थिति अत्यन्त दयनीय पायी गयीं।	निर्देशित किया गया कि एक सप्ताह के अन्दर समस्त चिकित्सा ईकाईयों पर साफ सफाई की व्यवस्था हेतु उचित प्रबन्धन कराना सुनिश्चित किया जाये। साफ सफाई के लिये सेवा प्रदाता के कार्य न किये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही करनें के निर्देश दिये गये।	मुख्य चिकित्साधिकारी
बायोमेडिकल वेस्ट निस्तारण– सेवा प्रदाता एजेन्सी द्वारा वेस्ट निस्तारण ससमय नही किया जा रहा है। राज्य स्तरीय टीम द्वारा माह जनवरी–19 में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–पहाडी, के परिसर में प्लेसेन्टा तथा बिना हब कटे प्रयोग की जा चुकी सिरिंजें एवं अन्य अपशिष्ट सामग्रियां खुले में निस्तारित थीं एवं	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–पहाडी के भ्रमण के दौरान संज्ञान में आया कि पूर्व की भांति ही सेवा प्रदाता द्वारा वेस्ट कलेक्सन विगत 15 दिनों से नहीं किया गया था। परिसर में प्लेसेन्टा तथा बिना हब कटे प्रयोग की जा चुकी सिरिंजें एवं अन्य अपशिष्ट सामग्रियां खुले में निस्तारित थीं एवं जला दी गयी थीं।	इस तरह की प्रकिया पर आपत्ति जताई गयी एवं वेस्ट निस्तारण के लिये सेवा प्रदाता के ससमय वेस्ट निस्तारण न किये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही करनें के निर्देश दिये गये साथ ही नोडल अधिकारी द्वारा सेवाप्रदाता के जनपदीय पर्यवेक्षक को बुलाकर नियमानुसार कार्य पूर्ण करानें हेतु निर्देशित किया गया। तथा कार्य संतोषजनक न पाये जानें पर अनुबन्ध समाप्त करने की	मुख्य चिकित्साधिकारी /प्रभारी चित्सिाधिकारी

Scanned by CamScanner

जनवरी, 2019 में पायी गई कमियां	माह,अप्रैल–मई 2019 की स्थिति	सुधारात्मक कार्यवाही / निर्देश	कार्यवाही का स्तर
जली हुई पायी गयी।		चेतावनी भी दी गयी।	
अक्रियाशील उपकरणो को समय से Repair – पूर्व भ्रमण के दौरान चिकित्सा ईकाईयों पर अक्रियाशील उपकरण पाये गये थे। Equipement खराब होने पर CYREX agency का टोल फ्री नं0– 18002700129 तथा मो0– 8299844932 (कानपुर मण्डल) से सम्पर्क कर उपकरण शीघ्र सही कराने हेतु निर्देशित किया गया था।	मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में CYREX agency द्वारा अक्रियाशील उपकरणों का रिपेयर समय कराया जा रहा है।	नोडल अधिकारी द्वारा CYREX agency पर विस्तृत चर्चा की गयी तथा आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई गई ।	मुख्य चिकित्साधिकारी / प्रभारी चित्साधिकारी
एन0आर0सी0 संदर्भन–: पूर्व भ्रमण के दौरान कोई भी बच्चा भर्ती नहीं था।	अप्रैल माह में भ्रमण के दौरान पाया गया– ▪ एन0आर0सी0 में 5 बच्चे भर्ती थे। ▪ बच्चों का संदर्भन ब्लाक स्तर से नहीं हो रहा है। ▪ आई0सी0डी0एस0 विभाग द्वारा एन0आर0सी0 में बच्चे के संदर्भन के सम्बन्ध में सहयोग में कमी पायी गयी।	निर्देशित किया गया कि आर0बी0एस0के0, आंगनवाड़ी, एवं आई0सी0डी0एस0 विभाग की सम्मलित बैठक करा कर एन0आर0सी0 पर बच्चों के संदर्भन में आ रहे समस्यायों पर चर्चा कर उचित कार्यवाही सुनिश्चित करें, जिससे जनपद में कुपोषित बच्चों के संदर्भन तथा उपचार में गतिशीलता लायी जा सके। टीम द्वारा सुझाव दिया गया कि एन0आर0सी0 में बच्चों के डिस्चार्ज से पूर्व घर पर दिये जाने वाले पौष्टिक आहार से सम्बधित जानकारी अवश्य प्रदान की जाये।	मुख्य चिकित्साधिकारी / नोडल अधिकारी
एन0बी0एस0यू0– एन0बी0एस0यू0 अव्यवस्थित पाये गये। एन0बी0एस0यू0 के स्टाफ नर्सो में Radiant Warmer के संचालन की जानकारी में कमी पायी गयी।	एन0बी0एस0यू0 के स्टाफ नर्सो में Radiant Warmer के संचालन की जानकारी में कमी पायी गयी। संक्रमण नियंत्रण प्रोटोकाल का पालन नहीं किया जा रहा है।	एन0बी0एस0यू0 के स्टाफ नर्सो को जिला चिकित्सालय के एस0एन0सी0यू0 पर बुलाकर प्रशिक्षण कराने के लिये निर्देशित किया गया। जिससे एन0बी0एस0यू0 स्टाफ के कौशल में वृद्धि हो सके।	नोडल अधिकारी
वी0एच0एन0डी0 सुपरविजन :– माडल वी0एच0एन0डी0 सत्र होने के उपरान्त भी सत्रों का सुपरविजन नहीं किया जा रहा है।	पूर्व की भांति ही ब्लाकों में वी0एच0एन0डी0 सत्रों का सुपरविजन नहीं किया जा रहा है।	निर्देशित किया गया कि प्रत्येक PHC/CHC से वी0एच0एन0डी0 सत्र के लिये उचित कार्ययोजना तैयार कर सुपरविजन सुनिश्चित किया जाये। BPM/BCPM को कार्ययोजना में सम्मलित कर वी0एच0एन0डी0 सत्रों का सुपरविजन सुनिश्चित करायें। सुपरविजन न किये जाने पर कार्यवाही के निर्देश दिये गये।	प्रभारी चित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0
आर0आई0– पूर्व भ्रमण के दौरान <u>माईक्रोप्लान</u>–: माईक्रोप्लान उपलब्ध थे, किन्तु आई0एम0आई0 के सत्रों को आर0आई0 के सत्रों में सम्मलित नहीं किया गया था। <u>ए0वी0डी0</u>–ए0वी0डी0–अन्य क्षेत्रों हेतु भुगतान रू0 75 प्रति ए0वी0डी0 की दर से किया जा रहा था। आर0आई0 दिशानिर्देश 2018–19 उपलब्ध	माह अप्रैल भ्रमण के दौरान माईक्रोप्लान– लाजिस्टिक में आर0वी0वी0 वैक्सीन सम्मलित नहीं था। आई0एम0आई0 सत्रों को आर0आई0 सत्रों में सम्मलित नही किया गया है। ए0वी0डी0– पूर्व की भाँति ए0वी0डी0–अन्य क्षेत्रों हेतु भुगतान रू0 75 प्रति ए0वी0डी0 की दर से किया जा रहा था।	निर्देशित किया गया कि अतिशीघ्र माईक्रोप्लान updation का कार्य पूर्ण कर लिया जाये। आई0एम0आई0 सत्रों को आर0आई0 सत्रों में सम्मलित कर छूटे हुए सत्रो पर टीकाकरण का कार्य पूर्ण कर लिया जाये, साथ ही काम्यूनिकेसन प्लान, ए0वी0डी0 रूट प्लान, सुपरवाईजरी प्लान तथा माईक्रोप्लान को शीघ्र अपडेट करने के निर्देश दिये गये।	कोल्ड चेन हैन्डलर / प्रभारी चित्साधिकारी

Scanned by CamScanner

जनवरी, 2019 में पायी गई कमियां	माह,अप्रैल–मई 2019 की स्थिति	सुधारात्मक कार्यवाही/निर्देश	कार्यवाही का स्तर
कराते हुए नये दर से भुगतान हेतु निर्देशित किया गया था। **काम्यूनिकेशन प्लान–उपलब्ध नही थे।** **e-VIN–** खराब तापमान नियंत्रक को शीघ्र सही कराने हेतु निर्देशित किया गया। **Safety Pit-** मानकानुसार ढक्कन उपलब्ध नही था। **कोल्ड चेन रूम** –प्रोटोकाल पोस्टर उपलब्ध नही थे। –अकियाशील उपकरण Condemn किये जाने योग्य पाये गये तथा उचित प्रकिया द्वारा Condem किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था।	**काम्यूनिकेशन प्लान–उपलब्ध नही थे।** **e-VIN–** खराब तापमान नियंत्रकों को पूर्व निर्देशों के कम में अभी भी बदला नही गया है। **Safety Pit-** मानकानुसार ढक्कन उपलब्ध था, परन्तु कुछ ईकाईयों पर उपयोग नहीं किया जा रहा है। **कोल्ड चेन रूम–** –प्रोटोकाल पोस्टर उपलब्ध थे किन्तु उनकी प्रिन्टिंग स्पष्ट नही थीं। – Condemnation योग्य उपकरणों का एकत्रित कर निस्तारण किया जाना लम्बित है।	मानकानुसार **Safety Pit** के उपयोग हेतु निर्देशित किया गया।	
मोबाइल मेडिकल यूनिट– भारत सरकार द्वारा जनपद को 2 मोबाइल मेडिकल वाहन उपलब्ध कराये गये है जिसका सुचारू रूप से उपयोग नही किया जा रहा है।	मोबाइल मेडिकल यूनिट एक एन0जी0ओ0 के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। मोबाइल मेडिकल यूनिट के कर्मचारियों द्वारा सम्बधित अधिकारियों के साथ कोई भी समन्वय नही किया जाता है। वाहन की सेवा विगत 20 दिनों से बाधित पायी गयीं	मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा जनपद स्तर पर तैनात मोबाइल मेडिकल यूनिट समन्वयक को निर्देशित किया गया कि वाहन को शीघ्र संचालित करायें तथा जितने दिवसों तक वाहन की सेवा बाधित रही है उतनें दिनों का शुल्क नियमानुसार काटा जायेगा।	मुख्य चिकित्साधिकारी

Scanned by CamScanner

भ्रमण का विस्तृत विवरण

(दिनांक 30 अप्रैल–02 मई, 2019 के भ्रमण के दौरान माह जनवरी, 2019 भ्रमण के अवलोकित बिन्दु के सापेक्ष तुलनात्मक विस्तृत विवरण)

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–पहाड़ी

गतिविधियां	अवलोकन बिन्दु माह जनवरी 2019	अवलोकन बिन्दु अप्रैल 2019 एवं सुधारात्मक कार्यवाही / निर्देश	कार्यवाही का स्तर
	पूर्व भ्रमण के दौरान साफ सफाई, पानी, आकस्मिक कक्ष, प्रसव कक्ष, बायोमेडिकल वेस्ट निस्तारण, अक्रियाशील उपकरण, भुगतान से सम्बधित समस्यायें पायी गयी थीं।	• 2 माह के अन्तराल पर भी चिकित्सा ईकाई में पूर्व भ्रमण के दौरान दिये गये सुझावों पर कोई सुधार नही हुआ। • राज्य स्तरीय टीम के भ्रमण के दौरान पायी गयी कमियों में सुधार न होनें पर आपत्ति व्यक्त की गयी तथा अतिशीघ्र सुधार करने के लिये निर्देशित किया गया।	मुख्य चिकित्साधिकारी / प्रभारी चिकितसाधिकारी
चिकित्सालय परिसर	• सिटीजन चार्टर मौजूद नहीं था। • आई०ई०सी० की कमी पाई गयी। • बायो मेडिकल वेस्ट निस्तारण के लिये रूम का निर्माण किया जाना है। स्टाफ को बायो मेडिकल वेस्ट के लिये प्रशिक्षण दिया जाना है। जिसके लिये चिकित्सा अधीक्षक द्वारा पुनः 1 माह की समयावधि में पूर्ण करनें की समयावधि दी गयी थी । • चिकित्सालय परिसर में प्लेसेन्टा तथा बिना हब कटे प्रयोग की जा चुकी सिरिंज एवं अन्य अपशिष्ट सामग्रियां खुले में निस्तारित पायी गयीं एवं अपशिष्ट सामग्रियां जला दी गयी थीं। जो कि आपत्तिजनक है। भविष्य में अपशिष्ट सामग्रियों को न जलानें के लिये निर्देशित किया गया था। • परिसर में साफ सफाई नहीं थी। शौचालय गन्दे थे। उपरोक्त पर तत्काल कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था।	• रिटीजन चार्टर की व्यवस्था सुनिश्चित करायी गयी। • परिसर में स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं दी जाने वाली सेवाओं की नवीनतम प्रचार प्रसार सामग्रीयों के प्रदर्शन में कमी पायी गयी। अद्यतन प्रचार प्रसार सामग्रीयों का प्रदर्शन किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। • सेवाप्रदाता एजेन्सी द्वारा विगत 15 दिनों से वेस्ट का संग्रहण नही किया गया है। • बायो मेडिकल वेस्ट निस्तारण हेतु रूम का निर्माण का कार्य लम्बित है। स्टाफ द्वारा बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण एवं संक्रमण से रोकथाम से सम्बंधित Practices उपयोग में नही ला रहे हैं। बायो मेडिकल वेस्ट एवं संक्रमण नियंत्रण से सम्बधित Practices परिसर में Follow किया जाने हेतु चिकित्सा अधीक्षक द्वारा 1 सप्ताह में प्रशिक्षण एवं अनुस्मरण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। • भविष्य में अपशिष्ट सामग्रियों न जलानें के लिये निर्देशित किया गया था परन्तु अभी भी अपशिष्ट सामग्रियां जली हुई तथा सिंरिज की नीडिल खुले में निस्तारित पायी गयीं। • परिसर में साफ सफाई नहीं थी। शौचालय गन्दे थे एवं नल, बेसिन, फर्स, सिस्टर्न इत्यादि टूटे अथवा खराब अवस्था में पाये गये। परिसर में शौचालय को इस्तेमाल योग्य बनाये जानें हेतु निर्देशित किया गया। • चिकित्सा ईकाई पर सफाई कर्मियों का	प्रभारी चिकित्साधिकारी

Scanned by CamScanner

गतिविधियां	अवलोकन बिन्दु माह जनवरी 2019	अवलोकन बिन्दु अप्रैल 2019 एवं सुधारात्मक कार्यवाही / निर्देश	कार्यवाही का स्तर
	• ब्लाक प्रभारी चिकित्साप्रभारी को मुख्यचिकित्साधिकारी द्वारा साफ–सफाई के सुपरविजन हेतु किसी कार्मिक को दायित्व सौंपा जाना तथा स्वीपरों द्वारा सफाई का कार्य लिये जाने हेतु निर्देशित किया गया था।	रोस्टर एवं सम्बधित कार्मिक द्वारा सुपरविजन रो सम्बंधित कोई भी कार्ययोजना उपलब्ध नही थी। • मुख्यचिकित्साधिकारी द्वारा प्रभारी चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्रतिदिन सी0एच0सी0 के कार्यो का अवलोकन किया जाये।	
इमरजेन्सी एवं इन्जक्सन कक्ष	• विगत माह भ्रमण के दौरान इलेक्ट्रानिक हब कटर मशीन खराब थी जिसमें बिना हब काटे निडिल डिस्पोज की जा रही थी। तथा ब्लीचिंग solution उपयोग नही किया जा रहा था। तत्काल प्रभाव से नई हब कटर मशीन उपलब्ध करायी गयी थी एवं तैनात स्टाफ को वेस्ट डिस्पोजल की जानकारी दी गयी एवं सही तरीके से डिस्पोज करनें हेतु निर्देशित किया गया था।	• स्थिति में कोई सुधार नही हुआ। नयी हब कटर मशीन में बिना हब काटे निडिल्स का निस्तारण किया जा रहा है। • सांज्ञान में आया कि ए0आर0वी0 लगाने हेतु सिरिंज परिसर में उपलब्ध होने के उपरान्त भी बाहर से मंगायी जा रही है तथा बाहरी स्टोर से दी जा रही सिरिंज हेतु रू0 10 लिया जा रहा है एवं सिरिंज का रैपर हटा कर सिरिंज दी जा रही है। चिकित्सा ईकाई में चल रही प्रैक्टिस आपत्तिजनक है एवं समुदाय के लिये हानिकारक है। मुख्यचिकित्साधिकारी के संज्ञान में लाते हुए चिकित्साप्रभारी को तत्काल प्रभाव से कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम	• लाभार्थियों को डाइट एजेन्सी द्वारा बाहर से प्रदान किय जा रहा था । डाइट रजिस्टर नहीं बनाया जा रहा है। • डाइट की रिपोर्टिंग नहीं की जा रही थी।	• सलाह दी गयी कि डाइट रजिस्टर बनाया जाये तथा मरीजों को दिये गये डाइट के हिसाब से ही रिपोर्टिंग किया जाए।	
एक्स–रे	• एक्स रे मशीन में तकनीकी खराबी की वजह से एक्स–रे नहीं ले पा रहे थे।	• एक्स रे मशीन क्रियाशील थी ।	
पैथालॉजी	• टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान संज्ञान में आया कि चिकित्सा ईकाई पर 5 ग्लूकोमीटर उपलब्ध थे जिनमें से एक भी कियाशील नही है। खराब ग्लूकोमीटर भी ईकाई पर उपलब्ध नहीं थे ।	• नया ग्लूकोमीटर उपलब्ध था तथा उपयोग किया जा रहा था।	
आप्थेलमोलाजी	• Vision Cylinder का बल्ब खराब था। तैनात आप्टोमेट्रिस्ट द्वारा आश्वासन दिया गया था कि अतिशीघ्र बल्ब चेन्ज करा दिया जायेगा।	• Vision Cylinder का बल्ब खराब पाया गया। सुगमता से पूर्ण होने वाले कार्यों में भी विलम्ब कर सेवा वाधित किये जाने पर आपत्ति व्यक्त करते हुए तत्काल प्रभाव से नया बल्ब लगवाया गया।	आप्टोमेट्रिस्ट
प्रसव कक्ष	• लेबर रूम के साफ सफाई में कमी पायी गयी। प्रसव कक्ष में शौचालय अत्यन्त गन्दी अवस्था मे पाया गया तथा प्रसव कक्ष में पानी की समुचित व्यवस्था नही थी। शौचालय में पानी का जमाव था जिससे शौचालय उपयोग नही किया जा रहा था। • लेबर रूम में उपलब्ध रेडियंट वार्मर के पास साफ–सफाई नही थी। नवजात शिशुओं के लिये स्वच्छ तौलिये का प्रयोग नही किया जा रहा था।	• लेबर रूम के साफ सफाई में कमी पायी गयी। शौचालय का प्रयोग नही किया जा रहा है। • रेडियंट वार्मर को स्थानान्तरित करते हुए लेबर रूम में लगे ए0सी0 के सामने लगाया गया है। रेडियंट वार्मर , एयर कन्डीसनर एवं स्टर्लाइजर के विद्युत	प्रभारीचिकित्साधिकारी

Scanned by CamScanner

गतिविधियां	अवलोकन बिन्दु माह जनवरी 2019	अवलोकन बिन्दु अप्रैल 2019 एवं सुधारात्मक कार्यवाही / निर्देश	कार्यवाही का स्तर
		प्रवाह हेतु एक साकिट उपलब्ध था। रेडियंट वार्मर से सम्बंधित बेबी ट्रे उपलब्ध नहीं थी। रेडियंट वार्मर को मानकानुसार रखने तथा उपयोग में लाने हेतु निर्देशित किया गया।	
	• Sterlization हेतु आटोक्लेव खराब पाया गया। तथा प्रसव उपरान्त उपयोग किये गये उपकरणों को, पानी से धुल कर पुनः प्रसव के लिये उपयोग किये जा रहे थे, जो कि आपत्तिजनक है।	• आटोक्लेव सही था परन्तु मात्र काटन एवं गाँज पीस को स्टर्लाइज किया जा रहा था। Delivery से सम्बंधित स्टर्लाइजर द्वारा स्टर्लाइज किया जा रहा है। स्टर्लाइजर में पड़े equipments में जंग लगा था। प्रसव कक्ष में Sterlization protocols के अनुपालन हेतु निर्देशित किया गया।	
	• अप्सिस्ट पदार्थों का निस्तारण हेतु कोई भी नियम का पालन नहीं किया जा रहा था।	• मानकानुसार अप्सिस्ट पदार्थों का निस्तारण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।	
	• लेबर रूम में 7 ट्रे मानकानुसार नहीं पाये गये। ट्रे में आवश्यक दवाइयां उपलब्ध नहीं थीं। साथ ही कुछ expired दवाईयां पायी गयीं तथा सरसों के तेल पाया गया। आक्सीटोसिन को सही ढंग से स्टोर नही किया जा रहा था।	• 7 ट्रे लेबर टेबल से दूर निकटस्थ कमरे में रखी गयी थी। 7 ट्रे के एक सेट को मानकानुसार लेबर टेबल के समीप रखे जाना हेतु उचित प्रबन्ध किया जाना है। 7 ट्रे मानकानुसार नही पाये गये। मेडिसिन ट्रे में दवाईयों का अभाव पाया गया। सुझाव दिया गया कि समय–समय पर रखी हुई दवाइयों को चेक किया जाय तथा ट्रे के ढ़क्कन पर दवाइयों की सूची लगायी जाये जिससे समय पूर्ण होनें पर चिन्हित दवाईयों कों बदला जा सकें।	
	• लेबर रूम से संबधित समस्त रजिस्टर उपलब्ध नहीं थे। उपलब्ध रजिस्टरों को भी मानक के अनुसार नही भरा जा रहा था।	• लेबर रूम से संबधित समस्त रजिस्टर पूर्ण रूप से नही भरे जाने हेतु निर्देशित किया गया।	
	• पुरानी केश शीट उपयोग की जा रही थी तथा पार्टोग्राफ नही इंगित किया जा रहा था।	• नई केश शीट उपलब्ध थीं। पार्टोग्राफ भरने का सुझाव दिया गया।	
	• प्रसव कक्ष मे प्रोटोकाल पोस्टर तथा आई0ई0सी0 सामग्री उपलब्ध नहीं थे।	• प्रसव कक्ष मे प्रोटोकाल पोस्टर तथा नवीनतम आई0ई0सी0 सामग्री लगाया जाना है।	
		• लेबर टेबल पर कैलिस पैड में हवा नही भरी जा रही थी।	
		• लेबर टेबल के बीच में परदे लगाये जाने है	
		• डिजिटल घड़ी, हब कटर इत्यादि उपलब्ध कराया जाना है।	
	• अधीक्षक महोदय को वर्तमान स्थिति से अवगत कराते हुए प्रसव कक्ष से संबधित समस्त कार्यों को उपलब्ध मानव संसाधन में विभाजित करनें हेतु सुझाव दिया गया। कार्यविभाजन की एक प्रति मुख्य चिकित्साधिकारी के कार्यालय में उपलब्ध कराया जाना है।	• प्रसव कक्ष से संबधित समस्त कार्यों को उपलब्ध मानव संसाधन में विभाजित नही किया गया था जिस हेतु मुख्यचिकित्साअधिकारी द्वारा चेतावनी देते हुए 3 दिवस के अन्दर कार्यविभाजन की एक प्रति मुख्य चिकित्साधिकारी के कार्यालय में उपलब्ध कराया जाने हेतु निर्देशित किया।	
कोल्ड चेन रूम	• कोल्ड चेन रूम व्यवस्थित था प्रोटोकाल पोस्टर उपलब्ध थे किन्तु उनकी प्रिन्टिंग	• प्रोटोकाल पोस्टर की प्रिन्टिंग स्पष्ट रूप से इंगित करनें के लिये निर्देशित	प्रभारी चिकित्साधिकारी

Scanned by CamScanner

गतिविधियां	अवलोकन बिन्दु माह जनवरी 2019	अवलोकन बिन्दु अप्रैल 2019 एवं सुधारात्मक कार्यवाही/निर्देश	कार्यवाही का स्तर
	स्पष्ट नही थीं। • डीप फ्रीजर में आइस पैक्स मानकानुसार नही पाये गये थे। • ए0वी0डी0 रूट चार्ट उपलब्ध नही था तथा ए0वी0डी0 हेतु रू0 75.00 की दर से भुगतान किया जा रहा था। • एक आई0एल0आर0 का स्टेबलाइजर खराब था • एम0आई0 के सत्रों को आर0आई0 के माईक्रोप्लान में समायोजन नही किया गया। • आई0एल0आर0 के Temperature Log Book में Temperature का विवरण (Temperature Logger) देख कर भरा जा रहा था।	किया गया। • डीप फ्रीजर में आइस पैक्स को मानकानुसार क्रिसक्रास तरीके से लगाये जाने का सुझाव दिया गया । • ए0वी0डी0 रूट चार्ट तैयार कराया गया तथा नियमित टीकाकरण के दिशानिर्देश 2018–19 से अवगत कराते हुए ए0वी0डी0 हेतु रू0 90.00 की दर से भुगतान किये जाने का सुझाव दिया गया । • खराब स्टेबलाइजर को शीघ्र सही कराने हेतु निर्देशित किया गया। • एम0आई0 के सत्रों को आर0आई0 के माईक्रोप्लान में समायोजित करने के लिये निर्देशित किया गया। • आई0एल0आर0 में पुराने खराब Thermometer को बदलकर नया Themometer रखवाया गया।	
एन0बी0एस0यू0	• पी0एन0सी0 वार्ड के समीप एन0बी0एस0यू0 बनाया गया है। एन0बी0एस0यू0 कक्ष में अव्यवस्थित मिला। • सम्बंधित स्टाफ नर्सों को Radiant Warmer के संचालन की जानकारी में कमी पायी गयी। • संक्रमण नियंत्रण प्रोटोकाल का पालन नहीं किया जा रहा है। • बेबी ट्रे, मेडिसिन ईत्यादि उपलब्ध नही थे। तथा उपलब्ध रजिस्टर का updation पूर्ण रूप से नहीं किया जा रहा है।	• एन0बी0एस0यू0 कक्ष अव्यवस्थित मिले। एन0बी0एस0यू0 व्यवस्थित किया जाना है। (3 दिन) • एन0बी0एस0यू0 के स्टाफ नर्सों को जिला चिकित्सालय के एस0एन0सी0यू0 पर बुलाकर प्रशिक्षण कराने के लिये मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया। जिससे एन0बी0एस0यू0 स्टाफ के कौशल में वृद्धि हो सके।	प्रभारीचिकित्साधिकारी
मोबाइल मेडिकल यूनिट	• पहाडी ब्लाक में मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहन सामुदायिक स्वास्थ्य पहाड़ी के परिसर में खडी पायी गयी। उक्त वाहन विगत 20 दिनों से परिसर में खड़ी है। तथा निर्धारित क्षत्रों में भ्रमण नही किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान वाहन हेतु निर्धारित चिकित्सक, फार्मासिस्ट, एल0टी0 उपस्थित नही थे। • वाहन का निर्धारित रूट प्लान नही था। ब्लाक प्रभारीचिकित्साप्रभारी द्वारा अवगत कराया गया कि मोबाइल मेडिकल यूनिट एक एन0जी0ओ0 के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। मोबाइल मेडिकल यूनिट के कर्मचारियों द्वारा सम्बधित अधिकारियों के साथ कोई भी समन्वय नही किया जाता है।	• मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा जनपद स्तर पर तैनात मोबाइल मेडिकल यूनिट समन्वयक को निर्देशित किया गया कि वाहन को शीघ्र संचालित करायें तथा जितने दिवसों तक वाहन की सेवा बाधित रही है उतनें दिनों का शुल्क नियमानुसार काटा जायेगा।	प्रभारी चिकित्साधिकारी

Scanned by CamScanner

जिला संयुक्त चिकित्सालय, चित्रकूट

गतिविधियां	अवलोकन बिन्दु माह जनवरी 2019	अवलोकन बिन्दु अप्रैल 2019 एवं सुधारात्मक कार्यवाही/निर्देश	कार्यवाही का स्तर
नोट – माह जनवरी, 2019 के भ्रमण के दौरान पायी गयी कमियों एवं दिये गये सुझावों के क्रम में कोई सुधारात्मक कार्यवाही नही पायी गईं। नोडल अधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को अवगत कराते हुए उचित कार्यवाही के लिये निर्देशित किया गया।			मुख्य चिकित्सा अधीक्षक
चिकित्सालय परिसर	• विगत माह भ्रमण के दौरान चिकित्सालय परिसर में वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था अच्छी नही थी। जिससे रोगियों व चिकित्सा वाहन के सुचारू आगमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। • परिसर मे जगह जगह पान की पीक के निशान पाये गये थे तथा परिसर मे पीने के पानी की जगह अत्यन्त गंदी एवं दयनीय थी। • पीने के पानी की जगह पर उपस्थित वाटर कूलर एवं आस पास गन्दगी जमी थी।	• वाहन पार्क कराने की व्यवस्था के लिये सुझाव दिया गया था परन्तु पार्किंग व्यवस्था में कोई सुधार नही हुआ। • क्लीनिंग एजेन्सी सुपरवाईजर को निर्देशित किया गया कि निर्धारित चेक लिस्ट का उपयोग कर सफाई एजेन्सी के कर्मिको से शिफ्ट में कार्य लेना सुनिश्चित करें। सप्ताह में एक बार क्लीनिंग कराना सुनिशित करें। एक सप्ताह की समयावधि के अन्दर स्थिति में सुधार के लिये निर्देशित किया गया। • पीने के पानी की जगह पर उपस्थित वाटर कूलर एवं आस पास जमी गन्दगी को साफ कराने के लिये निर्देशित किया गया था। परन्तु साफ सफाई की स्थिति में कोई सुधार नही हुआ। एक सप्ताह की समयावधि के अन्दर स्थिति में सुधार के लिये निर्देशित किया गया।	मुख्य चिकित्साधिकारी / मुख्य चिकित्सा अधीक्षक
जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम	• लाभार्थियों को डाइट बाहर की एजेन्सी द्वारा प्रदान किया जा रहा था। डाइट रजिस्टर उपलब्ध था परन्तु अद्युनान्त नहीं था।	टीम द्वारा यह सलाह दी गयी कि लाभार्थियों को सही डाइट दिया जाना सुनिश्चित करें। डाइट रजिस्टर maintain करायें।	
एस0एन0सी0यू0	• एस0एन0सी0यू0 विभाग में प्रोटोकाल पोस्टर चस्पा नही थे। अतिशीघ्र चस्पा करानें के निर्देश दिये गये। • बच्चों के डिर्स्चाज के पश्चात फालोअप एवं Documentation नही हो रहा था। • एस0एन0सी0यू0 के बाहर चप्पल उपलब्ध नही थी। • एस0एन0सी0यू0 वार्ड में वाशवेसिन एवं शौचालय गंदी अवस्था में पाया गया।	• प्रोटोकाल पोस्टर चस्पा नही पाये गये तत्काल प्रभाव से चस्पा करने हेतु निर्देशित किया गया। • बच्चों के डिर्स्चाज के पश्चात फालोअप प्रकिया मे कोई सुधार नही मिला फालोअप एवं Documentation के लिये निर्देशित किया गया। • एस0एन0सी0यू0 के बाहर चप्पल की व्यवस्था करनें के निर्देश दिया गया। • एस0एन0सी0यू0 में 12 रेडियेन्ट वार्मर सेट में 9 क्रियाशील हैं। 3 अक्रियाशील रेडियेन्ट वार्मर सेट के लिये सेवा एजेन्सी को कम्पलेन के लिये निर्देशित किया गया। • पल्स आक्सीमीटर 15 दिन से खराब था। • स्टाफ नर्स द्वारा Cyrex एजेन्सी को तुरन्त काल करया गया। नोडल अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि उपकरणों के खराब होने पर तत्काल Cyrex को Complaint Register करायें एवं नियमानुसार ससमय क्रियाशील न किये जाने पर उच्चाधिकारियों को सूचित करें। • वाशवेसिन एवं शौचालय गंदी अवस्था में मिले अतिशीघ्र स्वच्छ करनें तथा स्वच्छता हेतु उचित प्रबन्धन के निर्देश दिये गये।	मुख्य चिकित्साधिकारी / मुख्यचिकित्सा अधीक्षक

Scanned by CamScanner

गतिविधियां	अवलोकन बिन्दु माह जनवरी 2019	अवलोकन बिन्दु अप्रैल 2019 एवं सुधारात्मक कार्यवाही / निर्देश	कार्यवाही का स्तर
प्रसव कक्ष	• प्रसव कक्ष के बाहर प्रसव कक्ष से सम्बंधित अनुपयोगी उपकरण रखे पाये गये।	• अनुपयोगी उपकरण को हटा दिया गया था।	
	• प्रवेश द्वार पर स्लीपर उपलब्ध नही थे तथा प्रसव कक्ष में साफ–सफाई एवं संक्रमण नियंत्रण में कमी पायी गयी।	• प्रसव कक्ष हेतु स्लीपर उपलब्ध नही थे तत्काल प्रभाव से स्लीपर उपलब्ध करवाये गये।	
	• प्रसव कक्ष मे प्रसव के लिये तीन टेबल जिन पर जंग लगे हुए थे पर प्रसव कराया जा रहा था। उपरोक्त पर तत्काल कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था।	• प्रसव कक्ष के लिये तत्काल नये टेबल की व्यवस्था के लिये निर्देशित किया गया था स्थिति में कोई सुधार नही हुआ। नोडल अधिकारी द्वारा तत्काल प्रभाव से टेबल बदलवाने हेतु निर्देशित किया गया।	
	• प्रसव कक्ष में ceiling mounted operation light मौजूद है, जो अक्रियाशील है तथा उपकरण द्वारा भविष्य में स्टाफ तथा मरीजों के लिये दुर्घटना की सम्भावना बनी हुई है।	• Ceiling mounted operation light को हटाये जानें के लिये पुनः निर्देशित किया गया।	
	• प्रसव कक्ष मे प्रोटोकाल पोस्टर तथा आई0ई0सी0 सामग्री उपलब्ध नहीं थे।	• प्रसव कक्ष में प्रोटोकाल पोस्टर तथा आई0ई0सी0 सामग्री चस्पा कराने के लिये निर्देशित किया गया था।	
	• रूम में 7 ट्रे मानकानुसार पाया गया। ट्रे में आवश्यक दवाईयॉ उपलब्ध नही थी।	• रूम में 7 ट्रे मानकानुसार पाया गये।	
	• लेबर रूम में साफ सफाई एवं पानी की व्यवस्था के लिये निर्देशित किया गया।	• लेबर रूम में साफ सफाई एवं पानी की व्यवस्था में कोई सुधार नही मिला उचित प्रबन्धन हेतु निर्देशित किया गया।	
	• प्रसव कक्ष मे हाथ धुलनें हेतु लगा सिंक पूर्ण रूप से टूटा पाया गया। शौचालय गन्दी अवस्था में पाये गये थे।	• शौचालय की साफ सफाई हेतु निर्देशित किया गया। • नया वाश बेसिन अभी तक नही लगवाया गया था जिसे लगाये जानें हेतु पुनः निर्देशित किया गया। इस माह भ्रमण के दौरान स्थिति में कोई सुधार नही हुआ।	
	• नवजात शिशुओं को ससमय बी0सी0जी0 एवं हेपेटाइटिस–बी का बर्थ डोज नही दिया जा रहा है एवं प्रसव रजिस्टर में बी0सी0जी0 एवं हेपेटाइटिस–बी की गलत ईन्ट्री की जा रही है।	• बी0सी0जी0 एवं हेपेटाइटिस–बी का बर्थ डोज नवजात शिशुओं को ससमय प्रदान नही किया जा रहा है जिस हेतु पुनः निर्देश दिये गये।	
PNC वार्ड	• विगत माह भ्रमण के दौरान PNC वार्ड में साफ सफाई की कमी थी। • वार्ड में सम्बंधित आई.ई.सी. की कमी पायी गयी। • PNC वार्ड में शौचालय की सुविधा नहीं है। • PNC वार्ड में pre labor तथा post labor दोनो ही मरीज भर्ती थे।	• इस माह भ्रमण के दौरान स्थिति में कोई सुधार नही हुआ। • PNC वार्ड की समस्त समस्याओं को अतिशीघ्र निस्तारित करने के लिये निर्देशित किया गया	मुख्य चिकित्साधिकारी / मुख्य चिकित्सा अधीक्षक

Scanned by CamScanner

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–मानिकपुर

गतिविधियां	अवलोकन बिन्दु माह अप्रैल 2019	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
चिकित्सालय परिसर	• परिसर में साफ सफाई थी। • परिसर में आई०ई०सी० की कमी पाई गयी।	• परिसर में स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं दी जाने वाली सेवाओं की नवीनतम आई० ई० सी० लगायी जानी है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
प्रसव कक्ष	• प्रसव कक्ष में साफ सफाई की समुचित व्यवस्था थी। प्रसव कक्ष में शौचालय स्वच्छ पाया गया परन्तु प्रसव कक्ष में पानी की समुचित व्यवस्था नहीं थी। • अप्सिस्ट पदार्थों का निस्तारण हेतु कोई भी नियम का पालन नहीं किया जा रहा है। • लेबर रूम में 7 ट्रे मानकानुसार नही पाया गया। ट्रे में आवश्यक दवाइयां उपलब्ध नहीं थी। • प्रसव कक्ष से संबधित समस्त रजिस्टर उपलब्ध नही थे एवं उपलब्ध रजिस्टरों को भी मानक के अनुसार नही भरा जा रहा था। • बच्चों को हेपेटाईटिस–बी का बर्थ डोज नही दिया जा रहा था। • प्रसव कक्ष मे प्रोटोकाल पोस्टर तथा आई0ई0सी0 सामग्री उपलब्ध नही थे।	• प्रसव कक्ष में पानी की समुचित व्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया। • मानकानुसार अप्सिस्ट पदार्थों का निस्तारण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। • नियमानुसार 7 ट्रे को रखा जाना है। सुझाव दिया गया कि ट्रे के ढ़क्कन पर दवाइयों की सूची लगायी जायें। जिससे समय पूर्ण होने पर चिन्हित दवाईयों कों बदला जा सकें। • समस्त रजिस्टर को मानकानुसार भरे जानें के लिये निर्देशित किया गया। • हेपेटाईटिस–बी का बर्थ डोज ससमय सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। • प्रसव कक्ष मे प्रोटोकाल पोस्टर तथा आई0ई0सी0 सामग्री लगाया जाना है। • अधीक्षक महोदय को वर्तमान स्थिति से अवगत कराते हुए प्रसव कक्ष से संबधित समस्त कार्यो को उपलब्ध मानव संसाधन में विभाजित करनें हेतु सुझाव दिया गया। कार्यविभाजन की एक प्रति मुख्य चिकित्साधिकारी के कार्यालय में उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी

Scanned by CamScanner

गतिविधियां	अवलोकन बिन्दु माह अप्रैल 2019	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
कोल्ड चेन रूम	• सत्र के आयोजन के उपरान्त Logistic (Syringe इत्यादि) वापस ना आने पर भी Stock Register में उक्त Logistic की वापसी की विवरण भरा जा रहा है। • लाल एवं काली पालीथीन का उपयोग कोल्डचेन से Logistic, Syringe, Dropper इत्यादि सत्र स्थल पर ले जाने के लिये किया जा रहा था। • ए0वी0डी0 रूट चार्ट उपलब्ध नही था तथा ए0वी0डी0 हेतु रू0 75.00 की दर से भुगतान किया जा रहा था। • एम0आई0 के सत्रों को आर0आई0 के माईकोप्लान में समायोजन नही किया गया है कम्नयूकेसन प्लान,वी0एच0एन0डी0 सुपरविजन प्लान भी उपलब्ध नही था। नवजात शिशुओं को समय वी0सी0जी0 का डोज नही दिया जा रहा है • निस्तारण पिट मानक के अनुसार बनायी गयी थी परन्तु सत्र स्थल से शार्प मैटिरियल वापस नही लाये जा रहें थे एवं उनका निस्तारण ब्लीचिंग से नही किया जा रहा था।	• निर्देशित किया गया कि भविष्य में इस तरह की प्रकिया न की जाय। • सुझाव दिया गया कि हरे रंग के पर्दे लगाये जाय या खिड़की के शीशे हरे कलर से पेन्ट करा दिया जाये। • निर्देशित किया गया कि भविष्य में इस तरह की प्रकिया न की जाय। • ए0वी0डी0 रूट चार्ट तैयार कराने के निर्देश दिये गये। गया तथा नियमित टीकाकरण के दिशानिर्देश 2018–19 से अवगत कराते हुए ए0वी0डी0 हेतु रू0 90.00 की दर से भुगतान किये जानें का सुझाव दिया गया । • एम0आई0 के सत्रों को आर0आई0 के माईकोप्लान को समायोजन करनें के लिये तथा अतिशीघ्र माईकोप्लान अपडेट करने के निर्देश दिये गये। • शार्प मैटिरियल सत्र से वापस लाने एवं उनका निस्तारण पिट में करनें के निर्देश दिये गये। लाल एवं काली पालीथीन का उपयोग के बारे में बताया गया	प्रभारी चिकित्साधिकारी
माडल– वी0एच0एन0डी0 सत्र–सेमरदहा	• टीकाकरण सत्र समय से आयोजित किये जा रहे थे। सत्र पर ए0एन0एम0, आशा एवं आगनवाड़ी उपस्थित थीं। • सत्र से लाल एवं काली पालीथीन में शार्प मैटिरियल वापस CHC पर नही आ रहे थे। • आई0एम0आई के सत्रों को आर0आई0 के सत्रों में सम्मलित नहीं किया गया है। • सत्र स्थल पर आर0आई0 माईकोप्लान उपलब्ध नहीं था। • आगनवाड़ी द्वारा ग्रोथ मानिटरिंग चार्ट नहीं भरा जा रहा है। • आशा एवं आंगनवाडी की Peer educator का प्रशिक्षण नही हुआ था। • आशा द्वारा माँ को ORS घोल बनाने के बारे में जानकारी नही दी गयी थी। • टीकाकरण सत्र पर टीकाकरण से सम्बंधित बैनर उपलब्ध नहीं थे। • टीकाकरण के पश्चात ए0एन0एम0	• सत्र से प्रयोग करनें के बाद शार्प मैटिरियल वापस CHC/PHC पर लाने के निर्देश दिये गये। • अतिशीघ्र माईकोप्लान अपडेट करने एवं आई0एम0आई सत्रों को आर0आई0 सत्रों में सम्मलित कर छूटे हुए सत्रों को आच्छादित करनें के निर्देश दिये गये। • आंगनवाडी को ग्रोथ मानिटरिंग चार्ट इंगित करने के निर्देश दिया गया। • ए0एन0एम0 को सुझाव दिया गया कि आशा द्वारा लाभार्थियों को ORS बनाने की विधि के बारे में अवश्य जानकारी दी जाय। • टीकाकरण सत्र पर टीकाकरण से सम्बंधित बैनर उपलब्ध कराया गया। ए0एन0एम0 द्वारा लाभाथियों को चार महत्तवपूर्ण संदेश दिये जाने का निर्देश दिया गया। • ए0एन0एम0 को निर्देशित किया गया कि	ए0एन0एम0 / प्रभारी चिकित्साधिकारी

Scanned by CamScanner

गतिविधियां	अवलोकन बिन्दु माह अप्रैल 2019	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
	द्वारा लाभार्थियों को चार महत्तवपूर्ण संदेश नही दिये जा रहे थे। • सत्र पर अद्यतन डयूलिस्ट उपलब्ध नही थे।	सत्र पर अद्यतन डयूलिस्ट अवश्य होनी चाहिये।	

श्री सत्यप्रकाश
कार्यक्रम समन्वयक, आर0आई0

डा0 अर्पित श्रीवास्तव
परामर्शदाता, आर0आई0

डा0 वेद प्रकाश
महाप्रबन्धक, आर0 आई0
(मण्डलीय नोडल अधिकारी –सहयोगात्मक पर्यवेक्षण, चित्रकूट मण्डल)

Scanned by CamScanner